2018

NEW

Part–II 3 Tier

HINDI

Paper– II

(General)

Full Marks : 90

Time : 3 Hours

The figures in the right hand margin indicate full marks. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

खण्ड–क

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 15×1

क) सूरदास ने कृष्ण के बाल्य-जीवन की छवियों का सुन्दर मनोवैज्ञानिक चित्रण किया है—उनके पदों के आधार पर वर्णन कीजिए ।

ख) कबीर समकालीन समाज की धार्मिक विडंबनाओं व सामाजिक कुरीतियों पर कैसे वार करते हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

ग) तुलसी की भक्ति-भावना की समीक्षा कीजिए ।

2. किन्हीं **दो** अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 8×2

क) हिरदा भीतरि दौ बले, धूंवां प्रगट न होई ।
जाके लागी सो लखे, कि जिहि लाई सोई ।।
अंबर कुँजाँ कुरलियाँ, गरिज भरे सब ताल ।
जिनि थे गोविंद बीछुटे, तिनके कौण हवाल ।।

ख) आयो घोष बड़ो व्योपारी ।
लादि खेप गुन ज्ञान जोग की ब्रज में आन उतारी ।
फाटक दै कर हाटक माँगत भोरै निपट सुधारी ।।
धुर ही तें खोटो खायो है लये फिरत सिर भारी ।
इनके कहे कौन डहकावै ऐसी कौन अजानी ?
अपनो दूध छाँड़ि को पीवै खार कूप को पानी ।।
ऊधो जाहु सबार यहाँ तें बेगि गहरू जनि लावौ ।
मुँहमाँग्यो पैहो सूरज प्रभु साहुहि आनि दिखावौ ।।

ग) कोटि मनोज लजावनिहारे । सुमुखि कहहु को आहिं तुम्हारे ।
सुनि सनेहमय मंजुल बानी । सकुची सिय मन महुँ मुसकानी ।।
तिन्हहि बिलोकि बिलोकतिधरनी । दुहुँ सकोच सकुचति बरबरनी ।
सकुचि सप्रेम बाल मृगनयनी । बोली मधुर बचन पिकबयनी ।।

सहज सुभाय सुभग तन गोरे । नामु लखनु लघु देवर मोरे ।
बहुरि बदनु विध अंचल ढाँकी । पियतन चितइई भौंह करि बाँकी ।।
खंजन मंज तिरीछे नयननि । निजपति कहेउ तिन्हहि सिय सयननि ।
भईं मुदित सब ग्रामबधूटीं। रंकन्ह राह रासि जनु लूटीं ।।

घ) अंग-अंग-नग जगमगत दीपसिखा सी देह ।
दिया बढ़ाएँ हूँ रहै बड़ौ उज्यारौ गेह ।।
दूरि भजत प्रभु पीठि दै गुन-बिस्तारन-काल ।
प्रगट निर्गुन निकट रहि चंग-रंग भूपाल ।।

3. किन्हीं **दो** लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×2

क) कबीर के काव्य में विरह-भाव पर विचार कीजिए ।

ख) तुलसी के राम की धारणा को स्पष्ट कीजिए ।

ग) सूर के वियोग-वर्णन पर प्रकाश डालिए ।

घ) बिहारी के शृंगार परक दोहों का सौन्दर्य-वर्णन कीजिए ।

खण्ड–ख

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 15×1

क) प्रसाद प्रेम एवं सौन्दर्य के कवि हैं—उनकी कविताओं के आधार पर इस कथन की विवेचना कीजिए ।

ख) 'महादेवी के काव्य का मूल स्वर वेदना है'—इस कथन की समीक्षा उनकी कविताओं के आधार पर कीजिए ।

ग) पंत के काव्य में प्रकृति-चित्रण के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।

5. किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2

क) "हो चुका धर्म के ऊपर न्योछावर हूँ,
मैं चढ़ा हुआ नैवेद्य देवता पर हूँ ।
अर्पित प्रसून के लिए न यों ललचाओ,
पूजा की वेदी पर मत हाथ बढ़ाओ ।"

ख) शीतर कोमल चिर कम्पन-सी,
दुर्ललित हठीले बचपन-सी,
तू लौट कहाँ जाती है री—
यह खेल खेल ले ठहर-ठहर!

ग) आज अमीरों की हवेली
किसानों की होगी पाठशाला,
धोवी, पासी, चमार, तेली
खोलेंगे, अँधेरे का ताला,
एक पाठ पढ़ेंगे, टाट बिछाओ ।

घ) यहाँ है सुख-दुख का अवबोध
यहाँ है प्रत्यक्ष औ, अनुमान
यहाँ स्मृति-विस्मृति के सभी के स्थान
तभी तो तुम याद आती प्राण,
हो गया हूँ मैं नहीं पाषाण!

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×3

क) 'रश्मिरथी' के पंचम सर्ग के आधार पर कर्ण की मनोव्यथा को स्पष्ट कीजिए ।

ख) पंत की 'ताज' कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

ग) 'वर दे वीणावादिनी वर दे' कविता में निराला वीणावादिनी से क्या माँगते हैं ? लिखिए ।

घ) 'नदी के द्वीप' कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए ।

ङ) अज्ञेय का साहित्यिक परिचय दीजिए ।

7. किन्हीं **आठ** अति लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×8

क) 'कबीर' पुस्तक के लेखक कौन हैं ?

ख) 'कवितावली' के रचयिता का नाम लिखिए ।

ग) बिहारी की काव्यभाषा क्या है ? लिखिए ।

घ) 'बरनि न जाइ मनोहर जोरी'—में 'जोरी' कौन हैं ?

ङ) निराला के किसी एक काव्य-संग्रह का नाम लिखिए ।

च) अहो पथिक कहियो उन हरि सौं-यहाँ पथिक कौन है ?

छ) 'हरि घास पर क्षण भर' के रचयिता का नाम लिखिए ।

ज) ठकुरानी! क्या लेकर तुम मुझे करोगी ? — किसका कथन है ?

झ) सूरदास की एक रचना का नाम लिखिए ।

ञ) 'माझी बजाओ न वंशी' कविता किसकी लिखी हुई है ?

—o—